RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 7 अंक : 10 | लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल 2024 से 5 मई 2024 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 10 रूपये

MADE IN AIZU, JAPAN

SIGMA

Preferred Lens for Wedding Photographers

A Art NEW

50mm F1.2 DG DN

Designed exclusively for full-frame mirrorless cameras

- Maximum aperture F1.2
- Unrivaled resolving power
- Rich and beautiful bokeh
- Lightest in its class

Available mount: L-Mount, Sony E-Mount

*L-Mount is a registered trademark of Leica Camera AG.

0% INTEREST
BAJAJ FINSERV
FINANCE AVAILABLE

sigma-global.com www.sigmaindia.in

*Applicable only for selected models

Authorised Importers and Distributors: Shetala Agencies Pvt Ltd
Chennai - 044-42125158, Bangalore – 9900015547, Kerala – 9176669842, Mumbai – 9619825776, Delhi – 8105409366, Kolkatta - 9830375753, Hyderabad - 9700885776

Authorised Service Centres: SOUTH: Chennai, Shetala Cameras 9444401805, Camera Service Centre : 8056151501
Bangalore: Shetala Cameras 9900015547, Sri Benaka Enterprises: 9620086170, Kerala Camera Scan: 9447212721, Hyderabad: Shetala Camera:9700888576, Sri Venkateswara Electronics 9912709000,
WEST: Prabhakar Service Centre, Mumbai 9167110317, J.K.Electronics: 9819046288, **EAST:** Capital Enterprise (P) Ltd, Kolkata 033-22282020. **NORTH:** Omax Camera Care, Delhi. 9810965674

सम्पादक की कलम से ...

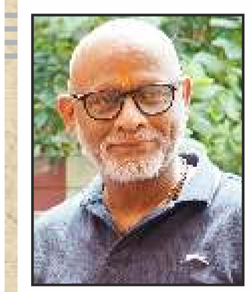

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के अप्रैल 24 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। कई फ़ोटोग्राफ़रों के लिए तस्वीरें लेना महज़ एक शौक या काम है। लेकिन वास्तव में, यह इससे अधिक है, यह रोमांचक कला है, जिसमें आप लोगों को डिजिटल या कागजी दुनिया के माध्यम से वास्तविक जीवन को उसके सभी पहलुओं, मनोदशाओं और क्षणों के साथ दिखाते हैं। इसके साथ ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उन विचारों को प्रतिबिंबित करने की क्षमता प्राप्त होती है जिन्हें आप अपने शब्दों से व्यक्त नहीं कर सकते। फोटोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपकी रूचि को एक उच्च स्तर तक ले जाने की क्षमता है, और अगर आप इसे एक उत्कृष्ट व्यवसाय में बदलना चाहते हैं, तो आपको कुछ निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है। एक सफल फोटोग्राफर बनने के लिए, आपको न केवल फोटोग्राफी के क्षेत्र में अच्छी जानकारी होनी चाहिए, बल्कि आपको व्यापारिक मामलों की भी समझ होनी चाहिए।

पहले और सबसे महत्वपूर्ण चरण में, आपको अपनी फोटोग्राफी कौशल को समृद्ध करने के लिए प्रशिक्षण लेना होगा। यह आपको विभिन्न शैलियों, तकनीकों, और उपकरणों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करेगा, जिससे आपका कौशल और विशेषज्ञता बढ़ेगी। यह निःसंदेह आपके क्षेत्र में पहचान और मान्यता बढ़ाने में मदद करेगा। दूसरे चरण में, आपको व्यवसायिक तरीके से सोचने की क्षमता विकसित करनी होगी। फोटोग्राफी एक कला हो सकती है, लेकिन इसे एक व्यापार के रूप में भी देखा जा सकता है। आपको अपनी सेवाओं की मार्केटिंग, कीमत निर्धारण, ग्राहकों के साथ संवाद और समय प्रबंधन के बारे में समझने की आवश्यकता होगी। तीसरे चरण में, आपको अपने काम की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतियोगिता में अग्रणी बनने के लिए प्रयास करना होगा। आपको अपनी उत्कृष्टता को दिखाने के लिए अपने फोटोग्राफी के नमूने को नियंत्रित करने की क्षमता होनी चाहिए।

आखिरकार, फोटोग्राफी व्यवसाय अवसरों से भरा होता है, लेकिन इसमें सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता और प्रयास की आवश्यकता होती है। यदि आप अपने फोटोग्राफी को एक उद्यमात्मक और उच्च स्तर पर ले जाने का सपना देख रहे हैं, तो आपको इन चरणों का पालन करना होगा। इस उद्यम में सफलता प्राप्त करने के लिए, आपको प्रतिबद्धता, प्रेरणा, और कठोर मेहनत की आवश्यकता है। यह रोमांचक और उत्कृष्ट फोटोग्राफी के व्यापार में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साथियो फोटोग्राफी व्यवसाय में सफलता पाने के लिए सिर्फ तस्वीरें लेना ही काफी नहीं है। आपको मौजूदा फोटोग्राफी ट्रेंड्स को फॉलो करना होगा जो आपको वांछित प्रभाव प्राप्त करने और प्रतिस्पर्धियों के साथ बने रहने में मदद करेगा। आने वाले समय में आपको फोटोग्राफी से सम्बंधित बहुत कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, कोशिश कीजिये उन कार्यक्रमों का हिस्सा बनने की। आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना है। शेष अगले अंक में।

फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

होली मिलन समारोह

न्यू बनारस कैमरा सोसाइटी, वाराणसी द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह (1 अप्रैल 2024)

कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन, कानपुर द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह (3 अप्रैल 2024)

स्टूडियो न्यूज

फोटोग्राफर साथियो,

आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, **mailtostudionews@gmail.com** पर मेल करें।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

निकॉन रेड डिजिटल सिनेमा का अधिग्रहण कर रहा है

निकॉन ने अभी घोषणा की है कि वह अमेरिकी सिनेमा कैमरा निर्माता रेड डिजिटल सिनेमा का अधिग्रहण करेगा। जिम जनार्ड द्वारा 2005 में स्थापित, RED ने सिनेमा कैमरों का उत्पादन किया है जिनका उपयोग 2010 के मध्य में 25 प्रतिशत से अधिक सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों के साथ-साथ 2021 के Mank जैसे ऑस्कर विजेताओं के निर्माण में किया गया था।

निकॉन ने स्नैपब्रिज़ ऐप में ईजी शूटिंग सेटअप जोड़ा है

निकॉन ने अपने स्नैपब्रिज रिमोट कंट्रोल और इमेज ट्रांसफर ऐप को अपडेट किया है, जिसमें एक "ईज़ी शूटिंग सेटअप" विकल्प जोड़ा गया है जो सामान्य शूटिंग स्थितियों की एक श्रृंखला के अनुरूप कैमरा सेट करता है। यह फ़ंक्शन Z30 से लेकर Zf तक कंपनी के एंट्री और मिड-लेवल कैमरों के साथ काम करता है।

Logitech का Mevo कोर एक माइक्रो फोर थर्ड्स लाइव-स्ट्रीमिंग कैमरा है

लॉजिटेक ने मेवो कोर की घोषणा की, जो एक 4K-सक्षम लाइव-स्ट्रीमिंग कैमरा है जो माइक्रो फोर थर्ड सेंसर और लेंस माउंट के आसपास बनाया गया है। यह लॉजिटेक के मौजूदा मेवो कैमरों का अपग्रेड है जो वायरलेस, बैटरी चालित स्ट्रीमर के समान उद्देश्य प्रदान करता है, लेकिन इसमें एक छोटा सेंसर और एक फिक्स्ड लेंस होता है।

7Artisans ने अपना पहला ऑटोफोकस लेंस, 50mm F1.8, अब शिपिंग करना शुरू कर दिया है

7Artisans का पहला ऑटोफोकस लेंस, जो कि पूर्ण-फ्रेम सोनी E-माउंट बॉडी के लिए 50mm F1.8 है, अब उपलब्ध है। तकनीकी दृष्टिकोण से, यह "निफ्टी फिफ्टी" धातु के चेसिस, STM लेंस मोटर, एपर्चर रिंग और सभी सोनी के ऑटोफोकस सुविधाओं का समर्थन प्रदान करता है।

सिग्मा ने E और L-माउंट के लिए 50mm F1.2 DG DN Art की घोषणा की

सिगमा ने 50mm F1.2 DG DN Art आर्ट की घोषणा की है, जो सोनी E और Leica L-माउंट्स के लिए एक 1500 डॉलर से कम

का वाइड-एपर्चर नॉर्मल प्राइम लेंस है। कंपनी का कहना है कि लेंस को अधिकतम एपर्चर पर भी पूर्ण विवरण स्तर देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

Nikon ने Z-माउंट के लिए Z 28-400mm F4-8 VR की घोषणा की, जो एक सुपरज़ूम है

Nikon ने Nikkor Z 28-400mm F4-8 VR की घोषणा की है, जो 14.2× ज़ूम रेंज वाला एक सुपरज़ूम लेंस है। लेंस को फोटो और वीडियो दोनों उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सोनी ने a1, a9 III, a7S III और a7 IV के लिए प्रमुख फर्मवेयर अपग्रेड की घोषणा

सोनी ने अपनी मौजूदा फुल-फ्रेम रेंज में से चार के लिए प्रमुख फर्मवेयर अपडेट की घोषणा की है, जिसमें कई सुविधाएं और व्यवहार अपने नवीनतम मानकों तक लाए हैं और प्रो उपयोगकर्ताओं के लिए C2PA प्रामाणिकता सत्यापन क्षमताओं को जोड़ा है।

टैमरॉन ने Nikon Z माउंट के लिए 28-75mm F2.8 Di III VXD G2 की घोषणा की

टैमरॉन ने Nikon Z माउंट फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए 28-75mm F/2.8 Di III VXD G2 (मॉडल A063), एक फास्ट-अपर्चर मानक ज़ूम लेंस के लॉन्च की घोषणा की है। 28-75mm F2.8 G2 कॉम्पैक्ट और उपयोग में आसान है, फिर भी इसमें उत्कृष्ट ऑप्टिकल प्रदर्शन है और यह तेजी से उच्च पिक्सेल रिज़ॉल्यूशन वाले नवीनतम डिजिटल कैमरों के साथ संगत है।

फ़ुजीफिल्म ने X और GFX-श्रृंखला कैमरों के लिए फर्मवेयर अपडेट जारी किया है

फ़ुजीफिल्म ने अपने कुछ **X** और **GFX**-श्रृंखला कैमरों के लिए फर्मवेयर अपडेट जारी किया है, जिसमें हाल ही में जारी **X100VI** भी शामिल है। अपडेट में नई सुविधाओं के बजाय बग फिक्स शामिल हैं, और फिक्स आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले मॉडल के आधार पर भिन्न होते हैं। फ़ुजीफिल्म के फर्मवेयर अपडेट के नवीनतम बैच में क्या अपेक्षा की जा सकती है, यहां बताया गया है।

TTArtisan ने APS-C सोनी E-माउंट के लिए 35mm F1.8 "निफ्टी फिफ्टी-ईश" प्रदान करता है

TTArtisan ने सोनी के APS-C E-माउंट कैमरों के लिए अपने AF 35mm F1.8 लेंस के लॉन्च की घोषणा की है। 150 डॉलर से कम लागत वाला यह "निफ्टी फिफ्टी" समतुल्य बजट प्राइम लेंस की तलाश कर रहे किसी भी व्यक्ति के लिए एक और विकल्प जोड़ता है।

सोनी ने नए CFexpress टाइप B कार्ड लॉन्च किए

सोनी ने दो नए CFexpress टाइप B कार्ड की घोषणा की है, जो कंपनी की पहली पीढ़ी के मध्यम क्षमता वाले टाइप बी कार्ड की तुलना में तेज प्रदर्शन वाले हैं। नए CEB-G480T और CEB-G240T मेमोरी कार्ड 480GB और 240GB क्षमता वाले हैं, और दोनों की अधिकतम पढ़ने की गति 1850MB/s है - जो समान क्षमता वाले Sony के पिछले टाइप B कार्ड द्वारा दिए गए 1700MB/s से अधिक उपयोगी है।

कैलिब्राइट ने बाज़ार में सबसे किफायती मॉनिटर कैलिब्रेटर की घोषणा की

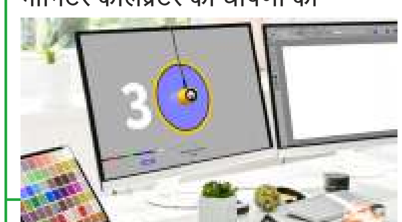

कैलिब्राइट ने एक नया एंट्री-लेवल मॉनिटर कैलिब्रेटर जारी किया है जिसे डिस्प्ले 123 कहा जाता है। बाजार में सबसे किफायती मॉनिटर कैलिब्रेटर के रूप में विपणन किया गया, डिस्प्ले 123 को एक सरल, सहज उपकरण के रूप में डिज़ाइन किया गया है जो आपके मॉनिटर को यथासंभव आसानी से कैलिब्रेट करेगा। अधिकांश लैपटॉप और डेस्कटॉप डिस्प्ले को कैलिब्रेट करने में सक्षम, बस कैप्टिव यूएसबी-सी केबल के माध्यम से कैलिब्रेटर को प्लग इन करें, डिस्प्ले ब्राइटनेस को नेटिव या फोटो (120 cd/m2) पर सेट करें और सॉफ्टवेयर बाकी काम कर देता है, आपको प्रक्रिया के अंत में पहले और बाद में रंग तुलना के साथ छोड़ देता है।

लेक्सर ने नए, सुपर-फास्ट पोर्टेबल SSD का खुलासा किया

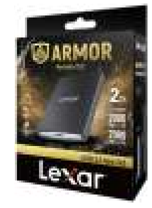

लेक्सर ने फोटोग्राफरों और वीडियोग्राफरों की मांग को ध्यान में रखते हुए दो नए पोर्टेबल SSD लॉन्च किए हैं। SL500 पोर्टेबल SSD एक आकर्षक, कॉम्पैक्ट डिवाइस है जिसमें एल्यूमीनियम यूनीबॉडी निर्माण होता है जो गर्मी अपव्यय में सहायता करता है। अधिकांश पोर्टेबल SSDs की तरह, डिवाइस अपने एकल USB-C कनेक्शन द्वारा संचालित होता है, और यह गर्मी उत्पादन को कम करते हुए बिजली की खपत को कम करने के लिए सिंगल-चिप नियंत्रक का उपयोग करता है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल 2024 से 5 मई 2024

"शटर खोलने से पहले देखिए और सोचिए। दिल और दिमाग कैमरे के असली लेंस हैं" - यूसुफ कार्श

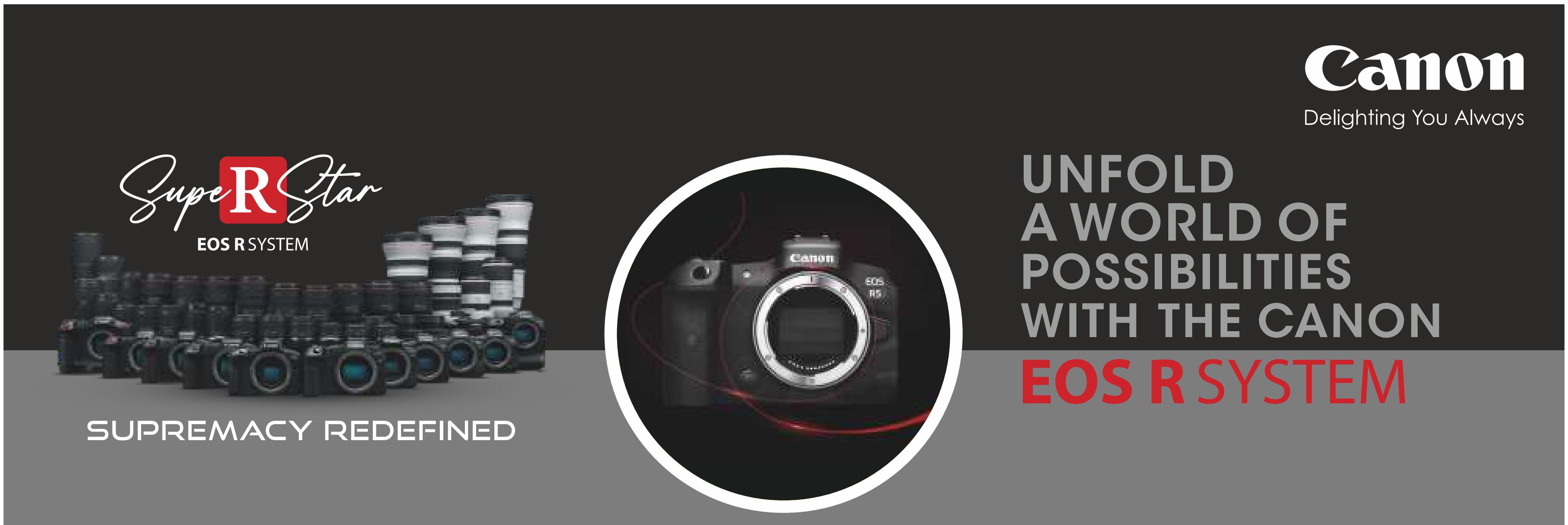

कैनन के क्रांतिकारी EOS R सिस्टम के साथ फोटोग्राफी के भविष्य में कदम रखें, जिसमें आपके इमेजिंग अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए डिज़ाइन किए गए मिररलेस कैमरे, RF और RF-S लेंस की एक विविध श्रृंखला शामिल है। EOS R सिस्टम के साथ अपनी फोटोग्राफिक यात्रा शुरू करते समय अद्वितीय रचनात्मकता, सटीकता और बहुमुखी प्रतिभा को अपनाएं।

कैनन EOS R सिस्टम

फोटोग्राफिक तकनीक में एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करता है, जो आज के फोटोग्राफर्स की मांगों को पूरा करने के लिए मिररलेस कैमरों और RF लेंसों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करता है। अत्याधुनिक सुविधाओं और बेजोड़ प्रदर्शन के साथ, EOS R सिस्टम प्रत्येक घटक के फोटोग्राफरों को उनकी रचनात्मकता की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए और सशक्त बनाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

EOS R श्रृंखला के कैमरों को खोजे, जो बेहतर कार्यक्षमता के साथ अभिनव डिजाइन का सहज मिश्रण हैं। शक्तिशाली EOS R100 से लेकर उच्च-प्रदर्शन वाले EOS R5 तक, प्रत्येक कैमरे को असाधारण छवि गुणवत्ता और बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। उन्नत ऑटो फोकस सिस्टम से लेकर शानदार ओवरसैंपल्ड वीडियो रिकॉर्डिंग तक, EOS R श्रृंखला यह सुनिश्चित करती है कि हर पल को सटीकता और स्पष्टता के साथ कैप्चर किया जाए।

कैनन के मिररलेस कैमरों की ताकत को बढ़ाते हुए RF लेंस ऑप्टिकल उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। सटीकता से तैयार किए गए, ये लेंस अद्वितीय तीक्ष्णता, स्पष्टता और बोकेह प्रदान करते हैं, जिससे फोटोग्राफरों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका मिलता है। वाइड-एंगल प्राइम से लेकर टेलीफोटो ज़ूम तक, RF लेंस लाइनअप हर शूटिंग परिदृश्य के लिए एक समाधान प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छवि लुभावनी विवरण और गहराई से युक्त है।

10वीं बुरांश एलएमजी लैंडस्केप फोटोग्राफी कार्यशाला, कौसानी (13 से 17 मार्च 2024)

Group Photograph of Participants with Mentors at Baijdham

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुरांश रिजॉर्ट में दसवीं लैंडस्केप एवं एस्ट्रो फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में देश के विभिन्न स्थानों से आए हुए 25 फोटोग्राफर शामिल हुए, जिन्हें 13 मार्च से 17 मार्च 2024 तक लैंडस्केप फोटोग्राफी एवं एस्ट्रो फोटोग्राफी पर जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता **थ्रीश कपूर** द्वारा की गई।

प्रशिक्षण हेतु लखनऊ से देश के प्रख्यात फोटोग्राफर **अनिल रिसाल सिंह**, इंदौर से **गुरुदास दुआ**, जयपुर से **उमेश गोगना** और अल्मोड़ा से **चेतन कपूर** इस कार्यशाला के मेंटर थे।

वर्कशॉप के शुभारंभ पर थ्रीश कपूर द्वारा हिमालय लैंडस्केप और उत्तराखंड के खूबसूरत स्थानों का स्लाइडशो किया गया जिसमें उन्होंने उत्तराखंड की खूबसूरती को दर्शाया एवं किस तरह से लैंडस्केप पिक्चर बनाना चाहिए इसका ज्ञान दिया।

अगले दिन दिनांक 14 मार्च को सभी प्रतिभागियों को गरूड़ बैजनाथ एवं कोट भ्रामरी के भ्रमण के लिए ले जाया गया जहां सभी ने यहां की खूबसूरती अपने-अपने कैमरों में कैद की एवं मेंटर्स द्वारा सभी को किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए यह भी बताया गया।

भ्रमण के उपरांत बुरांश रिसोर्ट में अनिल रिसाल सिंह का स्लाइड-शो आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने लैंडस्केप फोटोग्राफी की बारीकियों को सभी के साथ साझा किया एवं लैंडस्केप फोटोग्राफी से

Participants are busy making Landscape pictures

Portrait Workshop in progress

Inauguration of Workshop

Mentors (Left to right) - Thrish Kappor, Chetan Kapoor, Anil Risal Singh, Gurdas Dua and Umesh Gogna

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल 2024 से 5 मई 2024

शटर को क्लिक करने से बेहतर है लोगों के साथ क्लिक किया जाए - अल्फ्रेड

सम्बन्धित अपना अनुभव भी साझा किया, एवं देश विदेश के चर्चित लैंडस्केप फोटोग्राफर्स के मुख्य छायाचित्र भी साझा किए।

तदुपरांत जयपुर के उमेश गोगना जो कि सोनी मेंटर के रूप में जाने जाते हैं द्वारा एस्ट्रो फोटोग्राफी के ऊपर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी फोटोग्राफरों को एस्ट्रो फोटोग्राफी की विस्तृत जानकारी दी साथ ही सभी प्रतिभागियों को लाइव डेमो देकर सभी को प्रशिक्षित किया।

शुक्रवार, 15 मार्च को सुबह 3:00 बजे सभी प्रतिभागियों ने उमेश गोगना के निर्देशन में स्पॉट एस्ट्रो फोटोग्राफी की जो कि सुबह 4.30 बजे तक चली। तदुपरांत सभी प्रतिभागियों ने कौसानी के समीप बिजुरिया गांव का भ्रमण किया एवं वहाँ की खूबसूरती अपने-अपने कैमरे में कैद की, बिजुरिया से सटे अन्य गांव में जाकर भी सभी ने उत्तराखंड की सभ्यता एवं संस्कृति को समझने का प्रयास किया।

अपरान्ह 2:00 बजे के बाद उमेश गोगना द्वारा एस्ट्रो फोटोग्राफी प्रोसेसिंग पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जिसमें बताया गया कि किस तरह से फोटोशॉप की मदद से एस्ट्रो फोटोग्राफी की फोटो प्रोसेसिंग की जाती है।

शाम को इंदौर के प्रख्यात छायाकार गुरुदास दुआ जो कि फूड प्रोडक्ट फोटोग्राफी के विशेषज्ञ है, उनके द्वारा सभी प्रतिभागियों को किस तरह से फूड प्रोडक्ट फोटोग्राफी की जाती है, पर प्रख्यान प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि आजकल तरह-तरह के प्रोडक्ट की फोटोग्राफी हेतु किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और इस फोटोग्राफी में भविष्य में करियर की कितनी संभावनाएं है इस पर भी प्रकाश डाला।

वर्कशॉप के तीसरे दिन सभी 25 प्रतिभागियों ने रिसोर्ट से सटे ग्रामीण इलाकों का भ्रमण किया एवं वहाँ की खूबसूरती एवं सभ्यता को अपने कमरे में कैद किया, साथ ही उमेश गोगना एवं चेतन कपूर के सानिध्य में सभी प्रतिभागियों ने कुमाऊनी वेशभूषा में मॉडल के साथ फ्लैश फोटोग्राफी का प्रशिक्षण लिया जिसमें सभी को बताया गया कि विभिन्न लाइट कंडीशन में किस तरह के पोर्ट्रेट फोटोग्राफी की जा सकती है एवं इससे संबंधित टेक्निकल ज्ञान भी सबके साथ साझा किया। जयपुर के उमेश गोगना द्वारा सभी प्रतिभागियों को फ्लैश फोटोग्राफी हाई सिंक्रनाइजेशन जो कि आधुनिक तकनीकी के साथ की जाती है का ज्ञान भी सभी के साथ साझा किया गया। चेतन कपूर द्वारा सभी प्रतिभागियों को स्पॉट मॉडलिंग फोटोग्राफी का प्रशिक्षण दिया गया एवं बताया गया कि किस तरह अलग-अलग तरह के स्पॉट पर अलग-अलग तरह की लाइट का प्रयोग कर मॉडलिंग फोटोग्राफी की जा सकती है एवं इस पर अपना भविष्य भी बनाया जा सकता है जो की आमदनी का एक आधार भी बन सकता है।

तदुपरांत अपरान्ह में चेतन कपूर द्वारा हिमालय लैंडस्केप फोटोग्राफी पर एक व्याख्यान दिया गया जिसमें उन्होंने बताया कि हमारे उत्तराखंड के हिमालय अलग-अलग जगह से कैसे मनोहर दर्शन देते हैं और साथ ही यह भी बताया कि मौसम के बदलाव से हमारे पर्यावरण पर इतना गलत असर पड़ रहा है जिसकी वजह से मौसम अपने समय से आगे बढ़ गए हैं तदुपरांत सभी प्रतिभागियों ने फिर से बिजुरिया गांव का भ्रमण किया और वहां शाम की खूबसूरत वादियों को अपने कमरे में कैद किया।

संध्या में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गये एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई और सभी ने संकल्प लिया कि वह सब हमारे इस हिमालय एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्कशाप का समापन खूब गाने बजाने के साथ हुआ एवं संस्था के अध्यक्ष श्रीश कपूर ने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सबका धन्यवाद दिया।

चेतन कपूर

महान विभूतियाँ

मैन रे (1890 - 1976)

मैन रे

मैन रे एक अमेरिकी विजुअल आर्टिस्ट थे जिन्होंने अपने करियर का अधिकांश समय पेरिस में बिताया। डाडा और सुर्रियलिस्ट आंदोलनों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा, हालाँकि प्रत्येक के साथ उनके संबंध अनौपचारिक थे। उन्होंने विभिन्न माध्यमों में प्रमुख कार्य किए लेकिन खुद को सभी से पहले एक चित्रकार माना।

मैन रे का जन्म रूस के यहूदी प्रवासी के घर हुआ था। उनके परिवार में एक और बेटे और दो बेटियों का जन्म होने से पहले वह एकमात्र संतान थे, सबसे छोटे बच्चे का जन्म 1897 में ब्रुकलिन में स्थानांतरित होने के तुरंत बाद हुआ था। मैन रे के परिवार ने 1912 में अपना उपनाम बदलकर रे कर लिया था। रे का उपनाम मैनी रखा गया था लेकिन उन्होंने अपना नाम बदलकर मैन कर लिया और धीरे-धीरे मैन रे का उपयोग करना शुरू कर दिया।

यहूदी आप्रवासियों का बेटा - उसके पिता एक दर्जी थे और उसकी माँ सिलाई का कार्य करती थी - मैन रे का प्रारम्भिक नाम रैडनिट्ज़की था, वह न्यूयॉर्क शहर में पले-बढ़े, जहाँ उन्होंने वास्तुकला, इंजीनियरिंग और कला का अध्ययन किया, और एक चित्रकार बन गए। 1911 की शुरूआत में, उन्होंने मैन रे का उपनाम अपनाया। एक युवा व्यक्ति के रूप में, वह अल्फ्रेड स्टिग्लिट्ज़ की "291" गैलरी के नियमित दर्शक थे, जहां उन्हें वर्तमान कला प्रवृत्तियों से अवगत कराया गया और यहीं से वह फोटोग्राफी के प्रति आकर्षित हुए। 1915 में मैन रे की मुलाकात फ्रांसीसी कलाकार मार्सेल डुचैम्प से हुई और उन्होंने मिलकर कई आविष्कारों पर सहयोग किया और डाडा कलाकारों का न्यूयॉर्क समूह बनाया।

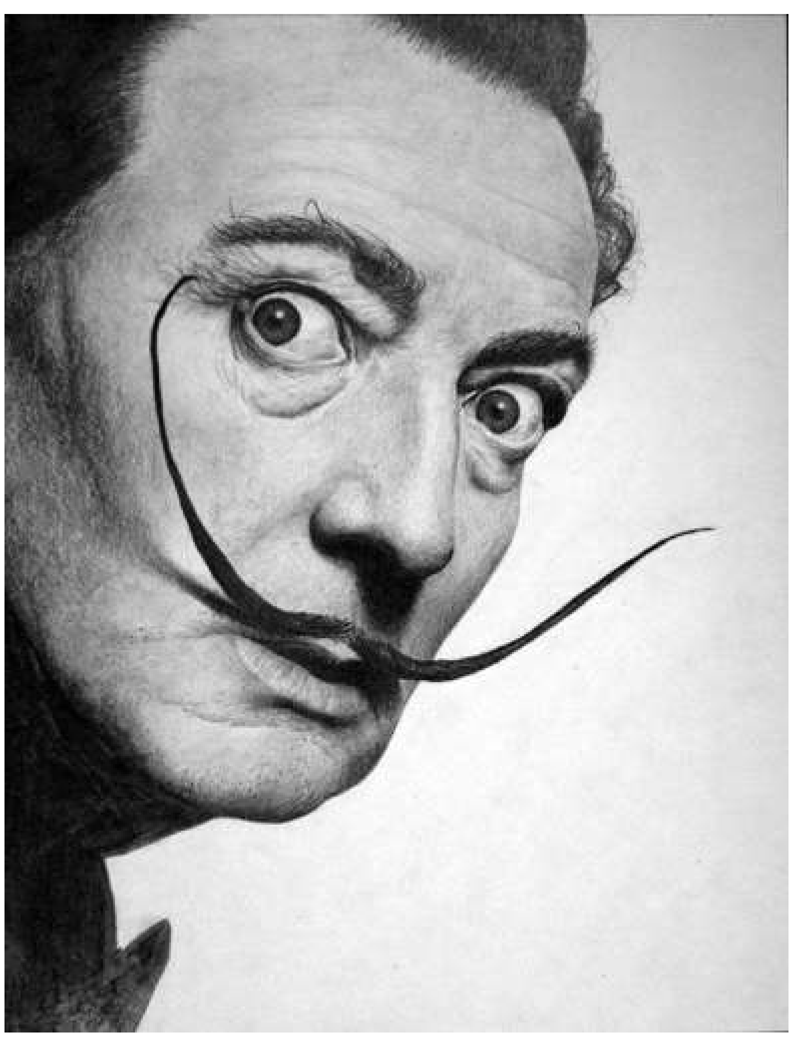

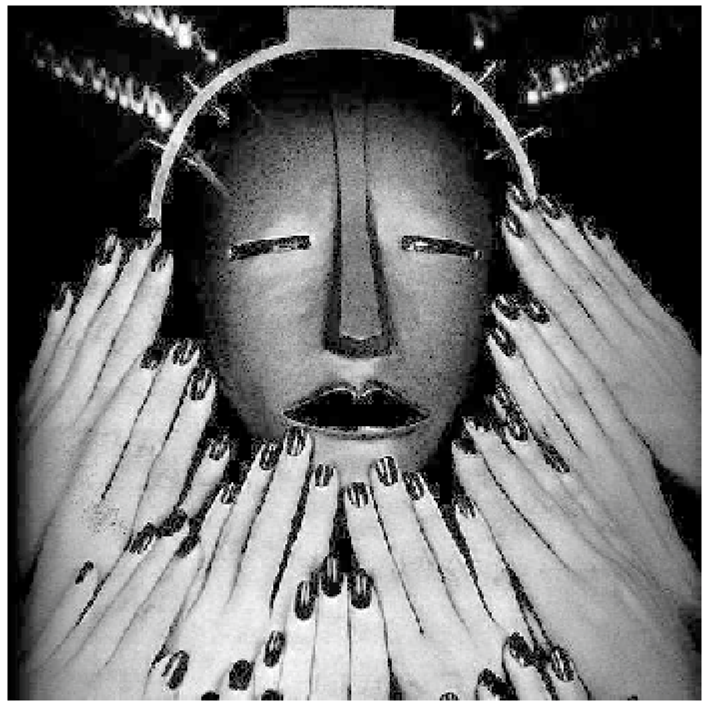

डुचैम्प की तरह, मैन रे ने रेडीमेड, व्यावसायिक रूप से निर्मित वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया, जिन्हें उन्होंने कला के कार्यों के रूप में नामांकित किया। उनके सबसे प्रसिद्ध रेडीमेड में से एक है "द गिफ्ट" (1921), एक फ़्लैटिरॉन जिसके नीचे की तरफ कीलों की एक पंक्ति चिपकी हुई है।

मैन रे का जन्म 27 अगस्त 1890 को फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर के ठीक बाहर हुआ था, विडंबना यह है कि उन्होंने अपने चित्रों और मिश्रित मीडिया कलाकृतियों की तस्वीरें खींचने के लिए कैमरे का उपयोग एक यांत्रिक उपकरण के रूप में करना शुरू कर दिया था। 1921 में, वह पेरिस चले गए और जहाँ उन्होंने एक फोटोग्राफी स्टूडियो की स्थापना की। वहां, उनकी मुलाकात पाब्लो पिकासो से हुई और एक अन्य करीबी दोस्त, ट्रिस्टन तज़ारा के माध्यम से उन्हें डाडावाद से परिचित कराया गया। मैन रे की प्रक्रिया, जिसे उन्होंने अपने नाम पर (रेयोग्राफ़्स) नाम दिया, जो एक पहले ही प्रगतिशील तरीके का उपयोग करती थी, इसमें रोजमर्रा की वस्तुओं को सीधे जिलेटिन सिल्वर पेपर पर रखकर रोचक एक अमूर्त प्रतिनिधित्व तैयार किया जाता था। फिर भी, यह उचित ही था कि कुछ ही वर्षों बाद वह सुर्रियलिस्ट आंदोलन में बह गये। उन्होंने फोटोग्राफी की धारणा और कैमरे की रचनात्मक, यांत्रिक संभावनाओं को पहले ही चुनौती दे दी थी। 1924 के सुर्रियलिस्ट घोषणापत्र और इस तरह के एक अभिनव आंदोलन की आधिकारिक स्थापना के बाद इसे और भी आगे बढ़ाया।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल 2024 से 5 मई 2024

"हर फोटो में दो लोग हमेशा होते हैं, एक फोटोग्राफर और एक देखने वाला" - अंसल एडैम्स

मैन रे महानतम डाडाइस्ट और सुर्रियलिस्ट कलाकारों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने विश्व फोटोग्राफी में क्रांति ला दी थी। मैन रे के लिए, फोटोग्राफी का माध्यम अपनी शुरूआत से ही एक साधारण तकनीकी उपकरण से कहीं अधिक था - वहां उन्होंने अभिव्यक्ति के एक कलात्मक और उदार साधन की खोज की। मैन रे के लगभग सभी छायाचित्र विशेष रूप से महिला मॉडल पर ही आधारिज हैं। सुर्रियलिस्ट दृष्टिकोण अपनाते हुए, कलाकार नियमित रूप से महिला शरीर के विशिष्ट हिस्सों पर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिन्हें वह टुकड़ों में विभाजित और पुनः संयोजित करते हैं। मैन रे की निगाहें सावधानीपूर्वक सौंदर्य संबंधी विकल्पों के माध्यम से अपनी महिला मॉडलों को निखारने में मदद करती हैं। जो महिलाएं फ़ोटोग्राफ़र के लिए पोज़ देती हैं उन्हें कलाकृति के विषय के रूप में एक प्रमुख भूमिका की पेशकश की जाती है जिसे वे जीवंत करती हैं।

1921 में मैन रे पेरिस चले गए और पेरिस के डाडा और सुर्रियलिस्ट सर्किल के कलाकारों और लेखकों से जुड़ गए। इन समूहों द्वारा प्रचारित मुक्ति से प्रेरित होकर, उन्होंने कई मीडिया के साथ प्रयोग किए। फोटोग्राफी के साथ उनके प्रयोगों में "कैमरा रहित" चित्र, या "फोटोग्राम" बनाने का तरीका फिर से खोजना शामिल था, जिसे उन्होंने "रेयोग्राफ" कहा। उन्होंने वस्तुओं को सीधे प्रकाश-संवेदनशील कागज पर रखकर बनाया, जिसे उन्होंने प्रकाश में उजागर किया और विकसित किया।

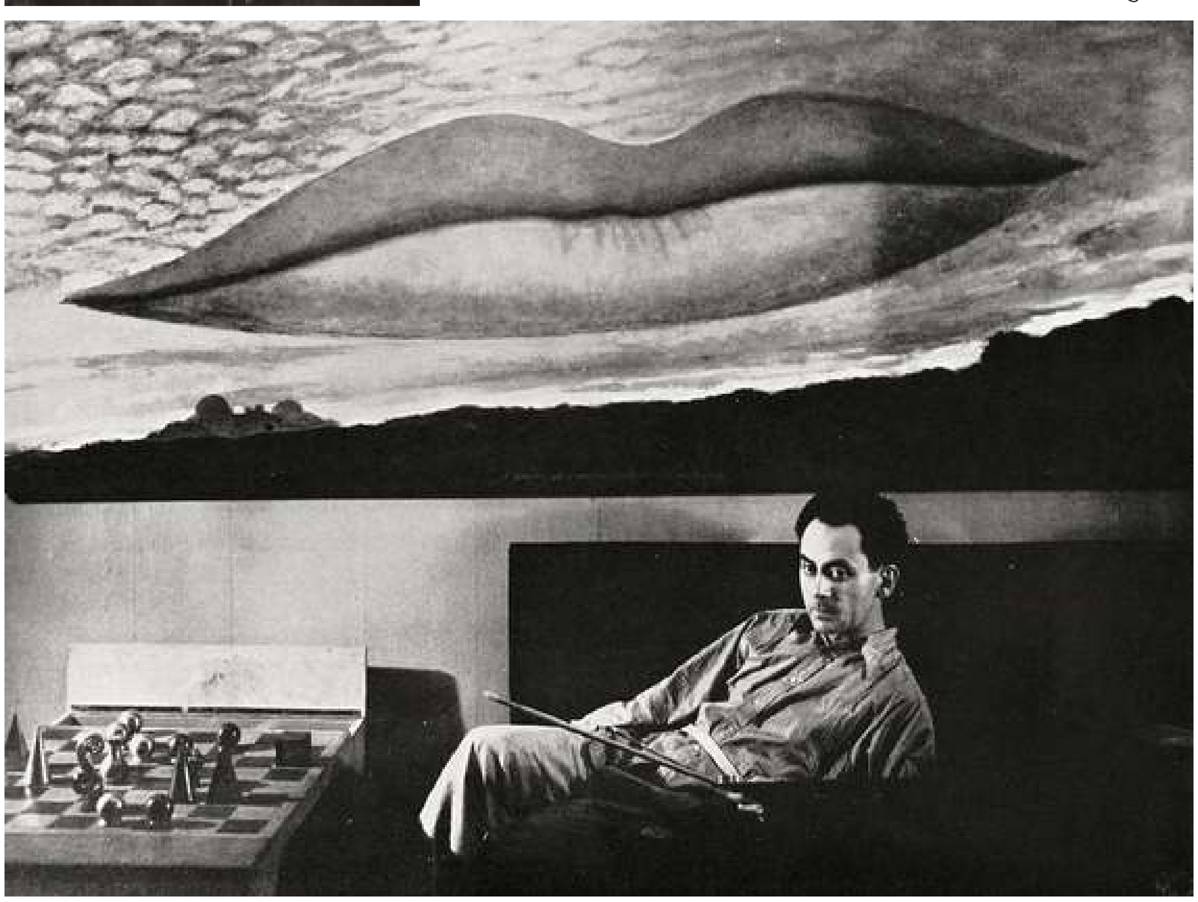

मैन रे की सबसे प्रसिद्ध तस्वीरों में गैर-पारंपरिक फोटोग्राफिक तकनीकों को सुर्रियलिस्ट सिद्धांतों के साथ जोड़ा गया है। परिणामस्वरूप, उन्होंने ऐसी छवियां बनाई जो तस्वीरों के बीच की रेखा को पाटती थीं, जिन्हें स्वाभाविक रूप से सत्य और अलौकिक सपनों के रूप में देखा जाता था। उदाहरण के लिए, "ऑब्जर्वेटरी टाइमः द लवर्स" में वह एक असेंबल तकनीक का उपयोग करते हैं जो उनकी खुद की पेंटिंग को उसके प्रेमी ली मिलर की तस्वीर के साथ जोड़ती है। प्रतीत होता है कि छवि का कोई संदर्भ या तर्क नहीं है - महिला विषय शतरंज की बिसात के बगल में नग्न और चेहराविहीन है; आकाश में जलराशि के ऊपर होठों का एक विशाल जोड़ा तैर रहा है। यहां, मैन रे वास्तव में अपरंपरागत फोटोग्राफिक प्रक्रियाओं का उपयोग करके अपनी खुद की रंगहीन पेंटिंग को कई अन्य तस्वीरों के साथ जोड़कर एक कल्पनाशील, स्वप्निल दुनिया बनाते हैं।

"सोलराइजेशन" एक और प्रायोगिक तकनीक थी जो मैन रे की तस्वीरों में अक्सर दिखाई देती है; फ़ोटोग्राफ़र जानबूझकर अपने निगेटिव्स पर चमक और अंधेरे टोन को इच्छापूर्वक उलट देते थे। गर्ट्रूड स्टीन, ली मिलर और जैकलीन गोडार्ड के अपने चित्रों में, मैन रे बहुत ही पारंपरिक और सीधी शैली में तस्वीरें खींचते हैं और बाद में सोलराइजेशन की प्रक्रिया के माध्यम से छवि में एक विकृति जोड़ते हैं।

मैन रे का कार्य किताबों में भी प्रकाशित किया गया, उन्होंने वोग जैसी कंपनियों के लिए एक फैशन फोटोग्राफर के रूप में काम किया, और उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी तस्वीरें लगातार प्रदर्शित की जाती रहीं। उनके जीवनकाल का काम प्रयोगात्मक तकनीकों और व्यापक सुर्रियलिस्ट सिद्धांतों का संयोजन प्रदर्शित करता है, जिससे उन्होंने तस्वीरों को कलात्मक माध्यम के रूप में फोटोग्राफी और सुर्रियलिस्ट आंदोलन में उन्हें मुख्य योगदानकर्ता बनाता है। ब्रेटन ने कहा था कि सुर्रियलिज्म पूर्णतः असंगत है। उन्होंने 1924 में लिखा, "अद्भुत हमेशा सुंदर होता है, कोई भी अद्भुत चीज सुंदर होती है, वास्तव में केवल अद्भुत ही सुंदर होता है।" यह एक उपयुक्त बयान था एक आंदोलन के लिए जो तस्वीरों को एक ऐसी कला के रूप में उपयोग करता था जो पहले कभी नहीं किया गया था, और सपनों और दुःस्वप्नों की गैर-प्रतीकात्मक छवियों को बनाता था।

महान चित्रकार और फोटोग्राफर मैन रे का निधन 18 नवंबर 1976 को 86 वर्ष की आयु में पेरिस, फ्रांस में हुआ।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

बर्ड फोटोग्राफी के लिए सीखें धैर्य रखना

बर्ड फोटोग्राफी काफी चुनौतीपूर्ण है लेकिन बेसिक्स समझने के बाद किसी रोमांचक और शानदार अनुभव की तरह होगी। इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं - **आर. प्रसन्ना**

बर्ड फोटोग्राफी, विशेष रूप से जंगली पक्षी फोटोग्राफी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। हालांकि, एक बार अगर आप बर्ड फोटोग्राफी के बेसिक्स समझ लेते हैं तो वाइल्ड बर्ड फोटोग्राफी आपके लिए किसी रोमांचक और शानदार अनुभव की तरह होगा। मैं इसे एक ध्यानपूर्ण अनुभव मानता हूँ क्योंकि पक्षियों के ऊपर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। कई बार पक्षी आपको कोई भी फ्रेम क्लिक करने का मौका दिए बिना ही उड़ जाता है। एक छोटी चिड़िया हमें सिखाती है कि कैसे बिना किसी अहंकार के विनम्र रहा जा सकता है। यहाँ तक कि अगर आप एक बड़ी प्रतिष्ठा वाले बड़े फोटोग्राफर भी हैं, तो पक्षी आपके स्टेटस की परवाह किए बिना उड़ जाते हैं। यही कारण है कि मैं इसे फिर से ध्यानपूर्ण चीज बुलाता हूँ। नए फोटोग्राफर्स बर्ड फोटोग्राफी की शुरूआत अपने घर के पीछे, छत पर या चिड़ियों के घोसलों से कर सकते हैं। वहीं विदेशी प्रजाती वाले पक्षियों की तस्वीरें खींचने का अनुभव लेने के लिए आपको घर से बाहर निकलना होगा। अगर आपको पास से पक्षियों की तस्वीरें कैद करने में परेशानी होती हैं तो आप लोकल जू या फिर पक्षी विहार जाकर क्लोज शॉर्ट्स ले सकते हैं। इस तरह की तस्वीरें खींचने के लिए सबसे पहले तकनीकी आवश्यकता के रूप में आपको लेंस की आवश्यकता होती है। इस दौरान आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि कुछ पक्षी इतने शर्मीले हैं कि 1000एमएम के लेंस भी पर्याप्त नहीं होते हैं। घबराइए नहीं मैं बस मजाक कर रहा था। खैर, किसी भी अन्य तरह की वाइल्ड फोटोग्राफी की तरह ही बर्ड फोटोग्राफी भी महंगा पेशा है। आपको बता दूँ कि 600 एमएम का लेंस इस तरह की फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त है। वहीं 150-600, 200-500

जैसे जूम लेंस आपके बजट में आसानी से आ जाएगा। इस तरह के लेंस के लिए जरूरी है कि कैमरा कम से कम 1/2000 की शटर स्पीड को सपोर्ट करे। इसे समझने के लिए आप सबसे पहले अपनी छत पर ही छोटे पक्षियों के व्यवहार को समझें और उनकी फोटोज क्लिक करें। हालांकि, पक्षियों को चारा डालकर उनकी फोटोज खींचने से पूरी तरह से बचें क्योंकि बाहर आप इस तरह से पक्षियों के व्यवहार को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं।

शटर प्रायॅरिटी जैसे शूटिंग मोड बर्ड फोटोग्राफी के लिए अच्छा विकल्प है क्योंकि पक्षी बिना कोई संकेत दिए उड़ जाते हैं। आमतौर मैं आईएसओ ऑटो मोड पर रखता हूँ और उसकी रेंज 800-6400 तक फिक्स कर देता हूँ। बर्ड फोटोग्राफी के दौरान इस बात का खास ध्यान रखें कि तस्वीरों को रॉ में शूट करें क्योंकि अधिकतर समय लाइट लगातार बदलती रहती है। ऐसे में पक्षी की गहरी छाया में हो सकता है। पक्षियों की उड़ान को तस्वीरों में कैद करने के लिए निकॉन के कैमरों में शूटिंग के दौरान कंटिन्यूअस सर्वो ऑटोकस (AFC) मोड और कैनन में AI सर्वो मोड का इस्तेमाल करें। मैं ज्यादातर शूट सुबह के वक्त करता हूँ क्योंकि सुबह सॉफ्ट लाइट होती हैं और पक्षी अपने बच्चों को खाना खिला रहे होते हैं। इस दौरान शिकार करने वाले पक्षियों के भी शानदार और रोमांचकारी शॉर्ट्स प्राप्त कर सकते हैं। जैसे ही सूरज चढ़ता है पक्षियों वापस अपने घोसलों में छिप जाते हैं और शाम होने के साथ ही घोसलों से बाहर निकलने लगते हैं। आमतौर पर मैं फोटोग्राफर्स को छुपकर शूट करने का सुझाव देता हूँ। छिपकर शूट करने के लिए कार सबसे अच्छा आप्शन हो सकता है। आपको जहाँ भी पक्षी दिखें आप अपनी गाड़ी खड़ी करें। एक बार पक्षी आपकी कार को लेकर अभ्यस्त हो जाते हैं तो खुद को मशगूल हो जाते हैं। ऐसे में आप कार के अंदर से आसानी से तस्वीरें खींच सकते हैं। यदि आप पक्षियों की वाइल्ड फोटोग्राफ्स चाहते हैं तो छुपकर फोटोज खींचने से आपको कई नाटकीय तस्वीरें मिल सकती हैं। सभी पक्षियों का अपना एक कंफर्ट जोन होता है। ऐसे में अगर आप उनके नजदीक आने की कोशिश करते हैं तो वह खतरा महसूस करते हैं और दूर उड़ जाते हैं। इतना ही नहीं चलना, जोर से बात करना, अचानक से मुड़ना भी पक्षियों को डराता है। इस बात का खास ध्यान रखें कि एक तार पर बैठे पक्षियों की तस्वीर लेने से बचें। मुख्य रूप से तीन प्रकार से आप पक्षियों की तस्वीरें खींच सकते हैं। पहला एक रिकॉर्ड शॉट। इसमें आप किसी भी पक्षी की प्रजाति को रिकॉर्ड करते हैं। हालांकि, यह तकनीकी रूप से अच्छा ऑप्शन नहीं होता। दूसरा है बर्ड पोर्ट्रेट। इसमें फोकस पक्षी की आंख पर होना चाहिए और आइलेवल पर शूट किया जाना चाहिए। तीसरा उड़ते हुए पक्षी की तस्वीर खींचना। उड़ते हुए बहुत से भारतीय पक्षी आपको शानदार और नाटकीय शॉट्स दे सकते हैं। ऐसे में यदि आपके पास धैर्य और सम्मान है, तो आपको जरूर नाटकीय तस्वीरें खींचने का मौका मिलेगा।

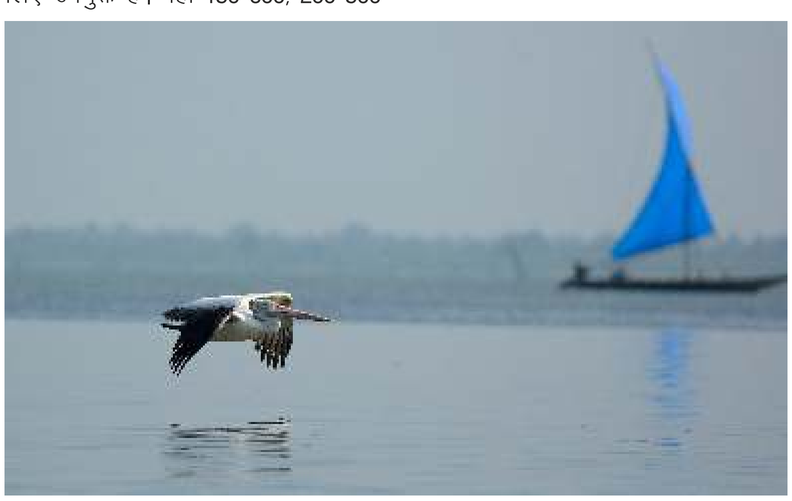

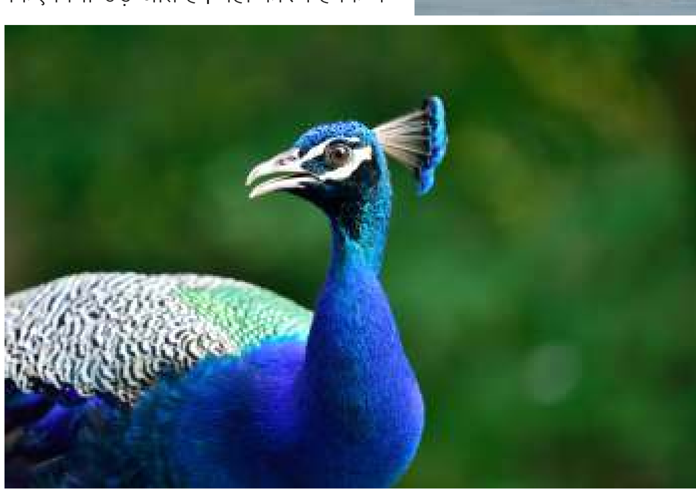

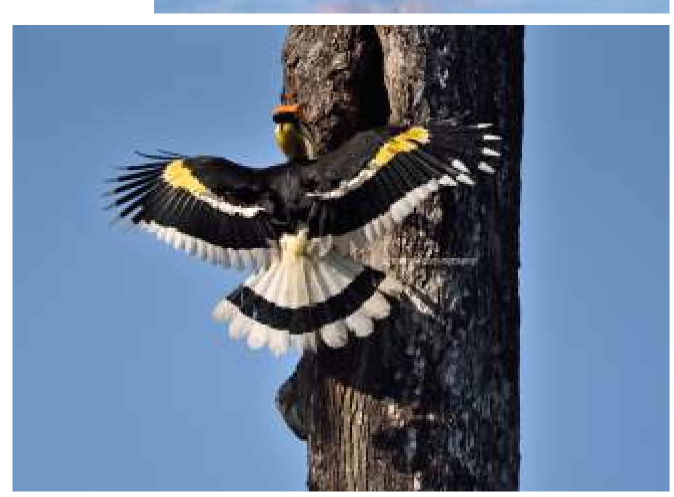

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल 2024 से 5 मई 2024

जब लोग मुझसे पूछते हैं मैं कौन सा उपकरण प्रयोग करता हूँ, मैं कहता हूँ - अपनी आंखें। - अनजान

स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी : वेडिंग फ़ोटोग्राफ़रों के लिए अपने कौशल को निखारने का एक महत्वपूर्ण साधन

नमस्कार, प्रिय पाठकों...! महीने - दर - महीने आपमें से प्रत्येक के साथ जुड़ना हमेशा खुशी की बात होती है। मुझे मिलने वाली प्रतिक्रिया और सुझाव वास्तव में उत्साहजनक हैं। चूंकि स्टूडियो न्यूज़ मुख्य रूप से भारत में प्रोफेशनल फोटोग्राफरों के लिये कार्य करता है, जो वेडिंग फोटोग्राफी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, मेरे लेखों का उद्देश्य मुख्य रूप से इस क्षेत्र में उनके कौशल और ज्ञान को बढ़ाना है।

यदि कोई ऐसा टॉपिक है, जिससे आप अनभिज्ञ हैं या अधिक जानकारी चाहते हैं, तो कृपया हमसे संपर्क करें। हम आपके लिए सुझाव तलाशने और यहां तक कि अपने कॉलम में प्रासंगिक विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कार आयोजित करने के लिए तैयार हैं।

इस बार, मैं अपने स्टूडियो न्यूज के पाठकों से एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ कि **"आप आखिरी बार स्ट्रीट फोटोग्राफी के लिए कब निकले थे?"**

आश्चर्य की बात है कि मैंने जिन प्रोफेशल फ़ोटोग्राफ़रों से बात की है, उन्होंने कौशल वृद्धि की अपार संभावनाओं के बावजूद, हाल ही में स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी में ध्यान नहीं दिया है। फिर भी, कुछ लोगों ने पूछा कि, **"स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी वेडिंग फ़ोटोग्राफ़रों को कैसे फ़ायदा पहुंचा सकती है?"** तो, आइए इसके बारे में जानते हैं :

कम्पोजीशन : स्ट्रीट फोटोग्राफी फोटोग्राफरों को अक्सर अस्तव्यस्त या भीड़ वाले वातावरण के बीच, जल्दी और प्रभावी ढंग से शॉट बनाने के लिए प्रशिक्षित करती है। यह हुनर सीधे तौर पर वेडिंग फोटोग्राफरों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें शादी के उत्सव की हलचल के बीच कम समय में पलों को कैद करना होता है। सड़क के दृश्यों द्वारा कम्पोजीशन में महारत हासिल करके, फोटोग्राफर अपने अन्दर अच्छे शॉट्स बनाने की प्रवृत्ति विकसित करते हैं, जिससे अधिक सम्मोहक और उत्साही शादी की तस्वीरें सामने आती हैं।

प्रकाश व्यवस्था : स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी फोटोग्राफरों को विभिन्न प्रकार की प्रकाश स्थितियों से अवगत कराती है, जिसमें कड़ी धूप से लेकर नरम, बिखरा हुआ प्रकाश और इनके बीच की हर चीज़ शामिल है। प्रकाश व्यवस्था में यह विविधता फोटोग्राफरों को उपलब्ध प्रकाश स्रोतों को समझने और उनका अधिकतम उपयोग करने की चुनौती देती है, यह कौशल वेडिंग फोटोग्राफी में अमूल्य है जहां प्रकाश की स्थिति पूरे दिन काफी भिन्न हो सकती है। स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी में प्रकाश में महारत हासिल करके, फ़ोटोग्राफ़र खूबसूरती से रोशनी वाली शादी की तस्वीरें बना सकते हैं जो मूड और माहौल को बढ़ाती हैं।

कहानी सुनाना : स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी अक्सर उन पलों को कैद करने के बारे में होती है जो एक कहानी बताते हैं या एक विशेष मूड या भावना पैदा करते हैं। कहानी कहने पर यह जोर सीधे तौर पर वेडिंग फोटोग्राफी के कथात्मक पहलू से मेल खाता है, जहां फोटोग्राफर युगल के विशेष दिन की उभरती कहानी का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहते हैं। स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी में कहानी कहने के अपने कौशल को निखारकर, फ़ोटोग्राफ़र उन महत्वपूर्ण क्षणों का अनुमान लगाना और उन्हें कैद करना सीखते हैं जो शादी की भावना, उत्साह और रोमांस को व्यक्त करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी फोटो बनती हैं जो दर्शकों को आंतरिक तौर पर पसंद आती हैं।

कैंडिड पल : स्ट्रीट फोटोग्राफी सत्यता और सहजता को दिखाती है, जो फोटोग्राफरों को रोजमर्रा की जिंदगी में वास्तविक, अप्रत्याशित क्षणों को कैद करने के लिए प्रोत्साहित करती है। कैंडिड फोटोग्राफी पर यह जोर वेडिंग फोटोग्राफी में भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जहां सबसे यादगार और भावनात्मक रूप से गूंजने वाली तस्वीरें अक्सर जोड़े, उनके परिवारों और मेहमानों के बीच वास्तविक बातचीत और भावनाओं को कैप्चर करने से आती हैं। सड़क के दृश्यों में कैंडिड फोटोग्राफी का अभ्यास करके, फोटोग्राफर शादियों के दौरान खुशी, प्यार और जुड़ाव के क्षणभंगुर क्षणों का अनुमान लगाने और उन्हें कैद करने की क्षमता विकसित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी तस्वीरें मिलती हैं जो अंतरंग और प्रामाणिक लगती हैं।

त्वरित निर्णय लेना : स्ट्रीट फोटोग्राफी के लिए फोटोग्राफरों को निर्णायक क्षणों को शूट करने के लिए तुरंत सोचने और कार्य करने की आवश्यकता होती है। वेडिंग फोटोग्राफी में तुरंत निर्णय लेने की यह क्षमता आवश्यक है, जहां फोटोग्राफरों को तेज गति और अक्सर अप्रत्याशित वातावरण में कार्य करना होता है। चाहे वह दुल्हन की प्रतिक्रिया को कैप्चर करना हो या दूल्हे की अभिव्यक्ति, जब वह अपनी दुल्हन को पहली बार देखता है। स्ट्रीट फोटोग्राफी क्षणभंगुर पलों को पकड़ने और उन्हें अनंत काल तक संरक्षित करने के लिए आवश्यक चपलता और सजगता को निखारती है।

तालमेल स्थापित करना : स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़रों को हमेशा बदलते हालात और स्थितियों के संगत होना चाहिए, चाहे वह भीड़-भाड़ वाला बाज़ार हो, शांत गली हो, या हलचल भरी सड़क का कोना हो। यह क्षमता सीधे तौर पर वेडिंग फोटोग्राफी में तब्दील हो जाती है, जहां फोटोग्राफरों को बाहरी समारोहों से लेकर इनडोर रिसेप्शन तक विभिन्न प्रकार की सेटिंग्स में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए और तदनुसार अपने दृष्टिकोण को समायोजित करना चाहिए। स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी में अपनी तालमेल क्षमता को निखारकर, फ़ोटोग्राफ़र चुनौतियों से पार पाने और किसी भी स्थिति में आश्चर्यजनक तस्वीरें खींचने के लिए तत्पर होते हैं।

सूक्ष्म बातों पर ध्यान : स्ट्रीट फोटोग्राफी फोटोग्राफरों को छोटे-छोटे कार्य-कलापों पर ध्यान देना सिखाती है जो किसी दृश्य को रोचक या यादगार बनाते हैं। वेडिंग फोटोग्राफी में यह ध्यान महत्वपूर्ण है, जहां फोटोग्राफर न केवल बड़े क्षणों को बल्कि पूरे दिन की गतिविधियों को परिभाषित करने वाले सूक्ष्म पलों और सार्थक इशारों को भी शूट करना चाहते हैं। चाहे वह जोड़े के बीच चुराई हुई नज़र हो या किसी मेहमान की क्षणभंगुर मुस्कान, स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी सुंदरता और भावना के इन क्षणभंगुर क्षणों को कैद करने की क्षमता को निखारती है, जिसके परिणामस्वरूप शादी की तस्वीरें आकर्षक और कहानी कहने में सक्षम होती हैं।

लोगों के बीच तालमेल का कौशल : स्ट्रीट फोटोग्राफी में अजनबियों के साथ जुड़ने से बोलचाल, सहानुभूति और सहज-ज्ञान जैसे पारस्परिक कौशल का निर्माण होता है। व्यक्तिगत स्तर पर लोगों से जुड़ने की यह क्षमता वेडिंग फोटोग्राफी में अमूल्य है, जहां फोटोग्राफरों को आरामदायक और सहज माहौल बनाने के लिए ग्राहकों, परिवारों और मेहमानों के साथ संबंध बनाना चाहिए। सड़क के दृश्यों में लोगों के कौशल का अभ्यास करके, फोटोग्राफर विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों के साथ बातचीत करने और शादी की तस्वीरों में उनकी वास्तविक अभिव्यक्ति और भावनाओं को कैद करने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास और कल्पनाशक्ति विकसित करते हैं।

रचनात्मकता : स्ट्रीट फोटोग्राफी फोटोग्राफरों को अद्वितीय और सम्मोहक तस्वीरें बनाने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों, रचनाओं और तकनीकों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। रचनात्मकता की यह भावना वेडिंग फोटोग्राफी में भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जहां फोटोग्राफर जोड़े की प्रेम कहानी के सार को मूल और कल्पनाशील तरीकों से कैप्चर करने का प्रयास करते हैं। स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी में अपनी रचनात्मक दृष्टि को निखारकर, फ़ोटोग्राफ़र एक विशिष्ट शैली और विभिन्न प्रकार के नवीन दृष्टिकोण विकसित करते हैं जो उनकी शादी की तस्वीरों को सुंदरता और भावनात्मकता से भर देते हैं।

तकनीकी दक्षता : स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी फोटोग्राफरों को विभिन्न परिस्थितियों में लगातार उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें बनाने के लिए एक्सपोज़र, फ़ोकस और कैमरा सेटिंग्स जैसे तकनीकी पहलुओं में महारत हासिल करने की चुनौती देती है। यह तकनीकी दक्षता वेडिंग फोटोग्राफरों के लिए आवश्यक है, जिन्हें विभिन्न प्रकाश स्थितियों में शूटिंग की तकनीकी जटिलताओं को आत्मविश्वास से कार्य करना होगा, तेज गति वाली कार्रवाई को कैप्चर करना होगा और महत्वपूर्ण क्षणों को सटीकता और स्पष्टता के साथ संरक्षित करना होगा। स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी तकनीकी कौशल में महारत हासिल करने के लिए एक कठोर प्रशिक्षण आधार प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि फ़ोटोग्राफ़रों के पास असाधारण शादी की तस्वीरें देने के लिए ज्ञान और विशेषज्ञता है जो उनके ग्राहकों की अपेक्षाओं से अधिक है।

इस लेख को लिखने की प्रक्रिया के दौरान, मैंने मैंगलोर की एक युवा वेडिंग फोटोग्राफर **सेरीना सिक्वेरा** (@visualsbyserena) से एक प्रश्न पूछा: **"क्या आप मानते हैं कि स्ट्रीट फोटोग्राफी के प्रति आपके जुनून ने वेडिंग फोटोग्राफी में आपके सुधार में योगदान दिया है? यदि हां, तो कैसे?"**

उन्होंने बताया : *"बिल्कुल, स्ट्रीट फोटोग्राफी के प्रति मेरे जुनून ने मेरे वेडिंग फोटोग्राफी कौशल को काफी बढ़ाया है। स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी ने मुझे वास्तविक भावनाओं को कैद करना सिखाया, एक ऐसा कौशल जिसे शादियों में सहजता से प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, मैंने जो कम्पोजीशन के नियम सीखे, वे दोनों शैलियों में समान रूप से लागू होते हैं, जिससे आकर्षक शॉट्स सुनिश्चित होते हैं। स्ट्रीट फोटोग्राफी में व्यापक प्रकाश व्यवस्था को समझने से वेडिंग फोटोग्राफी में तस्वीरें बनाने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, स्थिर छवियों को कैप्चर करने जैसे कौशल, जो स्ट्रीट फोटोग्राफी के भाग–दौड़ वाले वातावरण में महत्वपूर्ण हैं, शादी के कार्यक्रमों के दौरान अमूल्य साबित होते हैं, खासकर नृत्य जैसे गतिशील क्षणों को कैप्चर करने में। कुल मिलाकर, स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी ने एक ठोस आधार प्रदान किया है, जिसने मेरी वेडिंग फ़ोटोग्राफ़ी को भावना, संरचना, प्रकाश व्यवस्था और स्थायित्व से समृद्ध किया है।"*

स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी के साथ निरंतर जुड़ाव न केवल तकनीकी कौशल को बढ़ाता है, बल्कि मानव व्यवहार और कहानी कहने की गहरी समझ भी विकसित करता है, जिससे वेडिंग फ़ोटोग्राफ़ी की कलात्मकता समृद्ध होती है। तो, प्रिय फ़ोटोग्राफ़रों, आइए हम सड़कों पर निकलें और उनके द्वारा दिए जाने वाले अमूल्य ज्ञान का उपयोग करें।

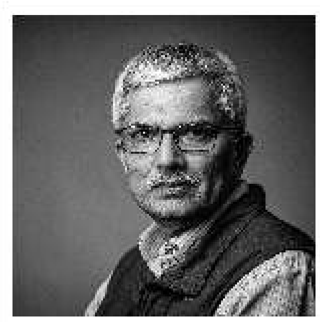

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

फोटोग्राफर्स ने खेली फूलों की होली, बरेली

बेसिक्स ऑफ फोटोग्राफी - शटर स्पीड

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

नमस्कार दोस्तों। उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। तो दोस्तों आज के टॉपिक को शुरू करने से पहले एक क्विक रिकैप लेते हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि एक पर्फेक्टली एक्सपोज्ड इमेज ही परफेक्ट इमेज मानी जाती है। अच्छा एक्सपोज़र प्राप्त करने के लिए आपको कैमरे में तीन सबसे मुख्य सेटिंग्स का प्रयोग करना पड़ता है - पहला "अपर्चर" दूसरा "शटर" तीसरा "ISO"। आपको याद दिला दें कि हमने पिछले आर्टिकल में अपर्चर के लाइट और डेप्थ ऑफ़ फील्ड के साथ के रिलेशन को समझने की कोशिश की थी। कैसे अपर्चर के कम-ज्यादा होने से लाइट कम ज्यादा होती है और कैसे आपका अपर्चर डेप्थ ऑफ़ फील्ड को भी कम ज्यादा करता हैं। "डेप्थ ऑफ़ फील्ड" का मतलब होता है कि अगर आप अपने फ्रेम को फील्ड मान लें तो उसमें रक्खा हुआ शार्प और फोकस्ड सब्जेक्ट, कितनी डिस्टेंस पर रक्खा हुआ है और सब्जेक्ट के पीछे का बैकग्राउंड कितना हल्का है या कितना गहरा है इसी कॅल्क्युलेशन को हम डेप्थ ऑफ़ फील्ड कहते हैं।

आज हम आगे बढ़ते हुए अपने अगले टॉपिक "शटर स्पीड" को समझने की कोशिश करेंगे। सबसे पहले यह समझने की कोशिश करते हैं कि "शटर" क्या होता है?" शटर को हम अगर आसान भाषा में समझने की कोशिश करें तो वह एक पर्दा है जो कैमरे की कमांड पर गिरता और उठता है। अब आप जैसे ही अपने कैमरे को फोकस करके क्लिक वाले बटन को दबाते हैं तो डीएसएलआर कैमरे के अंदर जो मिरर लगा होता है वो अपनी जगह से उठ जाता है और शटर का एक पर्दा ऊपर से नीचे की तरफ गिरता है - जिससे आपका एक्सपोज़र सेंसर पर रिकॉर्ड होता है और फिर शटर का ही दूसरा पर्दा गिरता है जिससे शटर पूरी तरह से बंद हो जाता है। इस शटर के पर्दों के गिरने की स्पीड को ही हम "शटर स्पीड" कहते हैं। अलग-अलग शटर स्पीड के चलते ही अलग-अलग एक्सपोज़र कैप्चर होता है और उसी तरह के रिज़ल्ट्स भी देखने को मिलते हैं। यह शटर के पर्दे एक्चुअली बहुत ही लाइट वेट, टेक्निकल, कम्प्युटराइज़्ड और मिलीसेकंड एक्यूरेट होते हैं जो कि इस तरह से डिज़ाइन किये गए होते हैं कि वो कैमरे के साथ सिंक करके चलें।

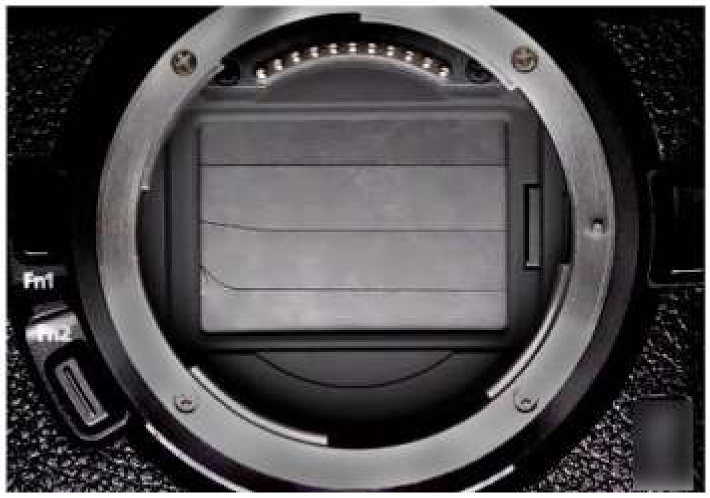

Shutter of Camera

आइये अब "शटर स्पीड" को समझने की कोशिश करते हैं। "शटर स्पीड" का मतलब है कि कितने "समय" के लिए आपका शटर खुलता और बंद होता है ताकि लाइट आपके कैमरे में एंटर करके सेंसर पर स्टोर हो सके। जितनी देर के लिए आपका शटर खुलेगा और जिस स्पीड से खुलेगा उसी स्पीड को शटर स्पीड कहते है।

"शटर स्पीड" को 1 सेकंड के डिवीज़न में काउंट किया जाता हैं। मतलब अगर आपकी शटर स्पीड 1/100 है तो इसका मतलब है कि आपकी शटर की स्पीड 1 सेकेंड के 100वां भाग है। मतलब आपका शटर 1 सेकंड के सौवें हिस्से की स्पीड से खुलेगा और बंद होगा।

अब शटर स्पीड का लाइट के साथ क्या कनेक्शन होता है। आपके शटर के स्पीड जैसे-जैसे बढ़ती है वैसे-वैसे लाइट कम होती जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्यूंकि जब आपके शटर की स्पीड 1 सेकेंड होगी तो आपका शटर 1 सेकेंड के लिए ही खुलेगा और जैसे-जैसे आपके शटर की स्पीड बढ़ती जाएगी मतलब 1/100, 200, 400 जिसका मतलब हुआ कि आपका शटर 1 सेकंड के सौवें या उसके आगे के हिस्से के लिए ही खुलेगा, मतलब 1 सेकेंड के कम्पेरिज़न में बहुत ही जल्दी खुलेगा और बंद होगा, मतलब की शटर बहुत ही कम देर के लिए खुलेगा मतलब की लाइट जो शटर के द्वारा प्रवेश करेगी वह बहुत ही कम देर के लिए प्रवेश करेगी और इस तरह जो एक्सपोज़र कैप्चर होगा वो काफी कम होगा और इमेज डार्क होगी।

वैसे ही जब आप अपने शटर की स्पीड को कम करते जाते हैं मतलब की जब आपका शटर 1/100 की जगह अगर 1/30 के लिए खुलेगा या फिर 1/10 या फिर पूरा पूरा 1 सेकंड के लिए ही खुलेगा तो शटर के खुले रहने की अवधि ज्यादा हो गई, मतलब की लाइट एंटर करने का समय भी ज्यादा हो गया मतलब की जो अमाउंट ऑफ़ लाइट कैप्चर होगी वो हाई शटर स्पीड के कम्पेरिज़न में ज्यादा होगी। इसका मतलब हुआ कि आपके इमेज का एक्सपोज़र ज्यादा होगा और इमेज भी काफी ब्राइट होगी।

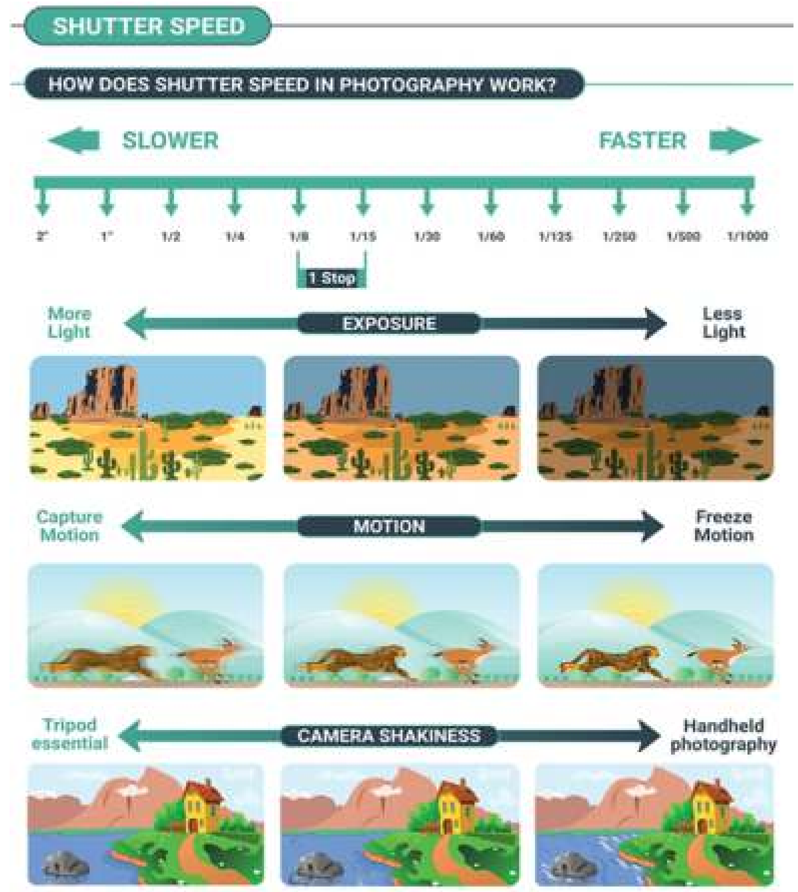

Shutter Speed

अब एक्सपोज़र या लाइट कैप्चर करने के आलावा जो एक और महत्वपूर्ण कार्य होता है शटर स्पीड का वह है "मूवमेंट" को कैप्चर करना। जब आप बहुत ही हाई शटर स्पीड का इस्तेमाल करते हैं तो आपके शटर खुले रहने की टाइमिंग काफी कम हो जाती है। मतलब यह हुआ कि अगर शटर जल्दी खुलेगा और जल्दी बंद होगा तो जो इमेज कैप्चर होगी वो भी बहुत ही कम टाइम के लिए होगी - मतलब एकदम फटाक से फोटो खिचेगी और शटर बंद हो जाएगा। तो एकदम फटाक से फोटो खिचने में सेंसर पर एकदम फ़ास्ट वाला मूवमेंट भी कैप्चर हो जाएगा। तो मतलब यही हुआ कि जितना फ़ास्ट शटर स्पीड उतना फ़ास्ट मूवमेंट कैप्चर होगा उतनी ही कम देर के लिए शटर ओपन होगा और उतना ही इमेज डार्क कैप्चर भी होगी।

वहीं दूसरी तरफ जब शटर स्पीड लो होगी तो शटर काफी देर के लिए ओपन होगा जिसकी वजह से काफी लम्बे मूवमेंट्स कैप्चर होंगे जिसके चलते इमेज काफी एक्सपोज्ड कैप्चर होगी और जो मूवमेंट्स कैप्चर होंगे वो ब्लर कैप्चर होंगे। दिए गए डायग्राम को देखने से आपको शटर स्पीड-लाइट और मूवमेंट्स का रिलेशन समझ आ जाएगा।

तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा अपना बहुत ख्याल रक्खें।

रंग बरसे : होली थीम फोटोशूट, वाराणसी

फोटोग्राफी को कहानी के साथ एकीकृत करना जरूरी है।
-जेम्सी वॉन्गक होव

*1 12-Bit N-RAW video *2 Enhanced AI Algorithm for AF, Skin softening and Portrait impression balance

Corporate/Registered Office & Service Centre: Nikon India Pvt. Ltd., Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram - 122001, Haryana, (CIN - U74999HR2007FTC036820). Ph: 0124 4688500, Service Ph: 0124 4688514, Service ID: nindsupport@nikon.com,
Sales and Support ID: nindsales@nikon.com, For more information, please visit our website: www.nikon.co.in

NikonIndia nikonindiaofficial NikonIndia NikonIndia nikon-india-private-limited

Nikon Z 8
Product Page

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in